कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (68) खण्ड - {135}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- भक्त माला ,रूद्र माला, विष्णु की माला इन तीनों माला में कौन आते हैं ?

A- जो पूरे 84 जन्म लेते हैं।

B- ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुल भूषण

C- संन्यासी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 2- बाप कहते हैं तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए क्योंकि -

A- तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है।

B- देवी-देवता धर्म बहुत सुख देने वाला है।

C- ईश्वर के धर्म की स्थापना हो रही है।

D- तुम ही संपूर्ण विश्व के मालिक बनते हो।

प्रश्न 3- कोई भी हालत में युक्ति रचकर -

A- आत्म-अभिमानी बनना है।

B- पवित्र बनो।

C- बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो।

D- सभी को आत्मा का परिचय अवश्य देना है।

प्रश्न 4- सबका सहारा.....

A- दुख हर्ता सुख कर्ता है।

B- एक भगवान।

C- एक गॉड ही है।

D- परमात्मा ही है।

प्रश्न 5- शंकर क्या कार्य करता है ?

A- हमारा ही रूप है

B- विनाश का कार्य

C- कुछ भी नहीं सिर्फ गायन है

D- बस वो सुक्ष्म देवता है

प्रश्न 6- जीते जी मरना सब कुछ भूलना, पिछला कुछ भी याद न आये । इसके लिए एक शब्द है -

A- मध्याजीभव

B- अपने को आत्मा समझो

C- रूहानी बच्चा बनो

D- मनमनाभव

प्रश्न 7- भीलनी के बेर खाये। अब ऐसे ही भीलनी के थोड़े ही खा सकते हैं। भीलनी से जब ब्राह्मणी बन जाती है तो फिर क्यों नहीं खायेंगे! किसने खाये ?

A- बापदादा ने

B- राम ने

C- शिवबाबा ने

D- ब्रह्मा बाबा ने

प्रश्न 8- शरीर को याद करना यह है -

A- एक दो में फंसना है।

B- यह तो भूतों की याद हो गई।

C- चित्रों की पूजा हो गई।

D- नाम-रूप में लटकना है।

प्रश्न 9 - शिवरात्रि भी कब से मनाते हैं -

A- परम्परा से

B- उनका अवतरण हुआ है तब से

C- आधाकल्प से

D- संगमयुग से7

प्रश्न 10- किस के लिए ही कहते हैं- 100 भुजाये, हज़ार भुजाओं वाला ?

A- परमात्मा

B- ब्रह्मा

C- विष्णु

D- शंकर

प्रश्न 11- गोप-गोपियाँ के सम्बन्ध मे सत्य है -

A- भक्ति मार्ग का गायन है।

B- देलवाड़ा मन्दिर में जड चित्र में है।

C- सुर्यवंशी है।

D- आदि देव आदि देवी है।

प्रश्न 12- बुद्धियोग थोड़ा भी कहीं न भटके, एक बाप की याद रहे, इसके लिए एक सही शब्द है -

A- एकाग्रचित्त

B- महावीर

C- निरन्तर देही-अभिमानी अवस्था

D- मन्मनाभव

प्रश्न 13- यह एक माण्डवा है। उनमें यह चांद-सितारे आदि सब बत्तियां हैं। इन सूर्य, चांद, सितारों को मनुष्य देवता कह देते हैं क्योंकि -

A- यह बहुत अच्छा काम करते हैं,

B- रिमझिम करते हैं, किसको तकलीफ नहीं देते हैं।

C- सबको सुख देते हैं। बहुत काम करते हैं इसलिए

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- अब मुख्य बात है कि -

A- हर आत्मा को बाप का परिचय देना

B- पावन जरूर बनना है

C- सतोप्रधान बनना है

D- गुणवान बनना है

प्रश्न 15- ..... छूटने में ही मेहनत लगती है ?

A- देह-अभिमान

B- विकार

C- अंहकार

D- बन्धन

प्रश्न 16- यह बना-बनाया खेल है। इस चक्र का किसको पता नहीं है। इसका क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य एक्टर कौन है ?

A- शिवबाबा

B- श्रीकृष्ण

C- ब्रह्मा बाबा

D- बाप और बच्चे

भाग (68) खण्ड {135} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *B.ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुलभूषण*

तुम जानते हो एक है भक्त माला, दूसरी है ज्ञान की माला। *भक्त माला से रूद्र माला के बने हैं फिर रूद्र माला से विष्णु की माला बनती है।* रूद्र माला है संगमयुग की, यह राज़ तुम बच्चों की बुद्धि में है। यह बातें तुमको बाप सम्मुख बैठ समझाते हैं।

उत्तर 2- *A.तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है*

तुम जानते हो हमको भगवान पढ़ाते हैं। तुम कितना खुश होते हो। बाप कहते हैं *तुम बच्चों की खुशी का पारावार नहीं होना चाहिए* क्योंकि तुम्हें पढ़ाने वाला स्वयं भगवान है, भगवान तो निराकार शिव है, न कि श्री कृष्ण।

उत्तर 3- *C.बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

तुम्हारी फ़र्ज-अदाई है घर-घर में बाप का पैगाम देना, कोई भी हालत में युक्ति रचकर *बाप का परिचय हरेक को अवश्य दो*

उत्तर 4- *C.एक गॉड ही है*

कोई तो कहते हैं बस हम सब कुछ बाप को सरेन्डर करते हैं। सिवाए एक के दूसरा कोई रहा ही नहीं। *सबका सहारा एक गॉड ही है।* कितनी सिम्पुल से

सिम्पुल बात है। बाप को याद करो और चक्र को याद करो तो चक्रवर्ती राजा-रानी बनेंगे।

उत्तर 5- *C.कुछ भी नहीं सिर्फ गायन है*

बाप कहते हैं हम कोई कहते नहीं हैं कि विनाश करो। यह सारा ड्रामा में नूँधा हुआ है। *शंकर कुछ करता है क्या? कुछ भी नहीं। यह सिर्फ गायन है कि शंकर द्वारा विनाश।* बाकी विनाश तो वह आपे ही कर रहे हैं। यह अनादि बना हुआ ड्रामा है जो समझाया जाता है।

उत्तर 6- *B.अपने को आत्मा समझो*

तुमने अब तक जो कुछ पढ़ा है उसे भूल जाओ, *जीते जी मरना माना सब कुछ भूलना अर्थात अपने को आत्मा समझो, पिछला कुछ भी याद न आये*

उत्तर 7- *D.ब्रह्मा ने*

भीलनी के बेर खाये। अब ऐसे ही भीलनी के थोड़ेही खा सकते हैं। भीलनी से जब ब्राह्मणी बन जाती है तो फिर क्यों नहीं खायेंगे! इसलिए ब्रह्मा भोजन की महिमा है। *शिवबाबा तो खायेंगे नहीं। वह तो अभोक्ता है। बाकी यह रथ (ब्रह्मा) तो खाते हैं ना।*

उत्तर 8- *B.यह तो भूतों की याद हो गई*

शरीर को याद करना - यह तो भूतों की याद हो गई। हम कहते हैं एक शिवबाबा को याद करो। तुम फिर 5 भूतों को याद करते रहते हो। देह से बिल्कुल लगाव नहीं होना चाहिए

उत्तर 9- *C.आधा कल्प से*

इस समय तुम बच्चे सबकी बायोग्राफी को जानते हो। मुख्य कौन-कौन होकर गये हैं जिन्हों को पूजते हैं? ऊंच ते ऊंच है भगवान। *शिवरात्रि भी कब से मनाते हैं

उनका अवतरण हुआ है तब से अर्थात आधा कल्प से*, उसने क्या आकर किया - यह किसको भी पता नहीं है।

उत्तर 10- *B.ब्रह्मा*

प्रजापिता ब्रह्मा से कितनी वृद्धि होती है। *ब्रह्मा के लिए ही कहते हैं - 100 भुजायें, हज़ार भुजाओं वाला।* विष्णु वा शंकर के लिए इतनी भुजायें नहीं कहेंगे। ब्रह्मा के लिए क्यों कहते हैं? यह प्रजापिता ब्रह्मा की ही सारी वंशावली है

उत्तर 11- *B.देलवाड़ा मन्दिर में जड़ चित्र में है*

प्रजापिता ब्रह्मा है तो जरूर गोप-गोपियाँ भी होंगे ना। देलवाड़ा मन्दिर में जड़ चित्र में है। जो पास्ट होकर गये हैं उन्हों के फिर चित्र बने हुए हैं। कोई मरता है तो झट उनका चित्र बना देते हैं, उनकी पोज़ीशन, बायोग्राफी का तो पता है नहीं। आक्यूपेशन नहीं लिखें तो वह चित्र कोई काम का न रहे।

उत्तर 12- *C.निरन्तर देही-अभिमानी अवस्था*

पास विद् ऑनर बनने के लिए बुद्धियोग थोड़ा भी कहीं न भटके। एक बाप की ही याद रहे। *इसके लिए एक ही सही शब्द है- निरतर देही-अभिमानी अवस्था*

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

यह एक माण्डवा है। उनमें यह चांद-सितारे आदि सब बत्तियां हैं। इन सूर्य, चांद, सितारों को मनुष्य देवता कह देते हैं क्योंकि *यह बहुत अच्छा काम करते हैं, रिमझिम करते हैं, किसको तकलीफ नहीं देते हैं, सबको सुख देते हैं। बहुत काम करते हैं इसलिए इनको देवता कह देते।* अच्छा काम करने वाले को कहते हैं ना - यह तो जैसे देवता है।

उत्तर 14- *B.पावन जरूर बनना है*

अब मुख्य बात है - पावन जरूर बनना है। यही फिकरात है। कर्म करते हुए बाप की याद में रहना है। तुम एक माशूक के आशिक हो ना। एक माशूक को सब आशिक याद करते हैं। वह माशूक कहते हैं अभी मुझे याद करो। मैं तुमको पावन बनाने आया हूँ।

उत्तर 15- *A.देह-अभिमान*

भगवान् खुद ही आकर अपना परिचय देते हैं कि मैं कौन हूँ। मैं जो हूँ, जैसा हूँ, दुनिया में कोई नहीं जानते। तुम्हारे में जो बाबा कहते हैं उनमें भी कोई पक्के हैं, कोई कच्चे हैं। *देह-अभिमान टूटने में ही मेहनत लगती है।* देही-अभिमानी बनना पड़े।

उत्तर 16- *A.शिव बाबा*

तुम जानते हो यह पढ़ाई फिर 5 हज़ार वर्ष बाद रिपीट होगी। यह बना-बनाया खेल है। इस चक्र का किसको पता नहीं है। *इसका क्रियेटर, डायरेक्टर, मुख्य

एक्टर कौन है - शिवबाबा।*----------

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (68) खण्ड - {136}

प्रश्न 1- इस युद्ध के मैदान में माया सबसे पहला वार किस बात पर करती है ?

A- निश्चय पर

B- मन पर

C- संकल्प पर

D- बुद्धि पर

प्रश्न 2- जिस्मानी यात्राओं से -

A- और ही विकर्म बनते हैं।

B- पावन बनते हैं।

C- आदि से करते हैं।

D- पतित ही बनते हैं।

प्रश्न 3- गरीब कोई एक रूपया देते हैं, साहूकार 100 रूपया देते हैं, गरीबों का एक रूपया ..... हो जाता है ?

A- सफल

B- वैल्युबल

C- मदद

D- समान

प्रश्न 4- किसी भी विकराल समस्या को शीतल बनाने के लिए -

A- समेटने की शक्ति धारण करो।

B- व्यर्थ संकल्प रूपी कमजोरी के जर्म्स अपने अन्दर प्रवेश होने नहीं देना।

C- फिक्र नही करना।

D- जैसे बाप में निश्चय है, वैसे स्वयं में और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो।

प्रश्न 5 - अभी तो हमारा ब्राह्मणों से नाता है, फिर हमारा देवताओं से नाता होगा। तो कौन सा नाता सबसे ऊंच है ?

A- इस दुनिया से नाता

B- ब्राह्मणों से नाता

C- देवताओं से नाता

D- पुराने सम्बन्धी से नाता

प्रश्न 6- सजाओं से छूटने के लिए कौन सा पुरूषार्थ बहुत समय का चाहिए ?

A- निरंतर याद में रहने का

B- हिसाब-किताब चुक्तू करने का

C- आत्मा समझने का

D- नष्टोमोहा बनने का

प्रश्न 7- मनुष्य सृष्टि में ऊंच ते ऊंच मर्तबा किस का है ?

A- ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का

B- श्रीकृष्ण का

C- ब्रह्मा बाबा

D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 8- अच्छा है -

A- बहुत मीठा, शान्त, प्यार से बोलना

B- जास्ती न बोलना

C- शान्ति में रहना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- तुम्हारे लिए क्या होली- धूरिया है ?

A- त्रिमूर्ति शिव जयन्ती

B- ज्ञान

C- विज्ञान

D- B और C

E- A, B और C

प्रश्न 10- माया के वार से बचने के लिए -

A- पढ़ाई पर ध्यान दो

B- कभी देह-अभिमान में मत फँसो

C- देही-अभिमानी बनो

D- सदा याद की यात्रा पर रहो

प्रश्न 11- कोई भी धर्म वाले को कौनसे चित्र पर समझा सकते हैं ?

A- लक्ष्मीनारायण

B- गोले पर वा झाड़ पर

C- सीढ़ी पर

D- त्रिमूर्ति के चित्र पर

प्रश्न 12- तुम बच्चों को अब स्व का ज्ञान मिला है, अर्थात् -

A- आत्मा का ज्ञान

B- अपने घर का ज्ञान

C- स्व धर्म का ज्ञान

D- चक्र का ज्ञान

प्रश्न 13- तुम सजाओं से छूटने का ही पुरूषार्थ करते रहते हो। उसके लिए मुख्य है -

A- पढ़ाई

B- आत्मा समझना

C- याद की यात्रा

D- याद और सेवा का बैलेन्स

प्रश्न 14- बाप को भूलने से फिर पुरानी दुनिया और पुराने सम्बन्ध भी याद आ जाते हैं। ऐसे समय क्या करना चाहिए ?

A- आत्मिक दृष्टि रखो

B- स्वदर्शन-चक्रधारी बनो

C- पढ़ाई पढो

D- गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी

प्रश्न 15- महान सौभाग्यशाली वह है जो -

A- जो बाप की याद में रहे।

B- भगवान पढ़ाते हैं।

C- देवता बनते हैं।

D- जिन्हें स्वये भगवान ने चुना

प्रश्न 16- कितना भी कोई प्यारा सम्बन्धी हो उसमें -

A- मोह की रग नहीं जानी चाहिए

B- दिल नहीं लगानी

C- भूल जाओ

D- बुद्धि नहीं फंसनी चाहिए

भाग (68) खण्ड {136} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.निश्चय पर*

इस युद्ध के मैदान में माया सबसे पहला वार निश्चय पर करती है चलते-चलते निश्चय तोड़ देती है इसलिए हार खा लेते हैं। यदि पक्का निश्चय रहे कि बाप

जो सबका दु:ख हरकर सुख देने वाला है, वही हमें श्रीमत दे रहे हैं आदि-मध्य-अन्त की नॉलेज सुना रहे हैं, तो कभी माया से हार नहीं हो सकती।

उत्तर 2- *A.और ही विकर्म बनते हैं*

बाप ने कहा है मुझे याद करो। यह है रूहानी यात्रा। बाप की याद से ही विकर्म विनाश होते हैं। उन *जिस्मानी यात्राओं से और ही विकर्म बनते हैं।* बोलो, यह ताबीज है। इनको समझेंगे तो सभी दु:ख दूर हो जायेंगे। ताबीज पहनते ही हैं दु:ख दूर होने लिये।

उत्तर 3- *B.वैल्युबल*

कई साहूकार आते हैं, समझते हैं हम इन्हें कुछ देवें। *गरीब कोई एक रूपया देते हैं, साहूकार 100 रूपया देते हैं, गरीबों का एक रूपया वैल्युबल हो जाता है।* वे साहूकार लोग तो कब याद की यात्रा में यथार्थ रीति रह न

सकें, वह आत्म-अभिमानी बन न सकें। पहले तो पतित से पावन कैसे बनना है, वह लिखकर देना है।

उत्तर 4- *D.जैसे बाप में निश्चय है, वैसे स्वंय और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो*

किसी भी विकराल समस्या को शीतल बनाने के लिए जैसे बाप में निश्चय है वैसे स्वयं में और ड्रामा में भी सम्पूर्ण निश्चय हो। हलचल की सीन में भी कल्याण का अनुभव हो, वातावरण हिलाने वाला हो, समस्या विकराल हो लेकिन सदा निश्चयबद्धि विजयी बनो तो विकराल समस्या भी शीतल हो जायेगी।

उत्तर 5- *B.ब्राह्मणों से नाता*

स्वर्ग में तो सब आयेंगे - वह कोई बड़ी बात नहीं है। बड़ी बात है सज़ा न खाकर, ऊंच पद पाना। योगबल से हिसाब-किताब चुक्तू करेंगे तो फिर सज़ा नहीं खायेंगे। पुराने सम्बन्धी भी याद न पड़ें। *अभी तो हमारा ब्राह्मणों

से नाता है फिर हमारा देवताओं से नाता होगा। अभी का नाता सबसे ऊंच है।*

उत्तर 6- *D.नष्टोमोहा बनने का*

सजाओं से छूटने के लिए नष्टोमोहा बनने का पुरूषार्थ बहुत समय का चाहिए, किसी में भी ममत्व न हो। अपने दिल से पूछना है - हमारा किसी में मोह तो नहीं है? कोई भी पुराना सम्बन्ध अन्त में याद न आये। योगबल से सब हिसाब-किताब चुक्तू करने हैं तब ही बिगर सजा ऊंच पद मिलेगा।

उत्तर 7- *D.लक्ष्मी-नारायण*

बच्चे जानते हैं हम ऊंच ते ऊंच बाप की मत से ऊंच ते ऊंच मर्तबा पाते हैं। *मनुष्य सृष्टि में ऊंच ते ऊंच यह लक्ष्मी-नारायण का मर्तबा है।* यह पास्ट में होकर गये हैं। मनुष्य जाकर इन ऊंच को नमस्ते करते हैं। मुख्य बात है

ही पवित्रता की। मनुष्य तो मनुष्य ही हैं। परन्तु कहाँ वह विश्व के मालिक, कहाँ अभी के मनुष्य!

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

इस पुरानी दुनिया को भूल अकेले बन जाओ, घर को याद करो। अपने सुखधाम को याद करो, किससे जास्ती बात भी न करो, नहीं तो नुकसान हो जाता है। *बहुत मीठा, शान्त, प्यार से बोलना अच्छा है। जास्ती न बोलना अच्छा है। शान्ति में रहना सबसे अच्छा है।* तुम बच्चे तो शान्ति से विजय पाते हो।

उत्तर 9- *D. B और C* 1

तुम्हारे लिए यह ज्ञान और विज्ञान ही होली-धूरिया है। वे लोग भी होली और धुरिया मनाते हैं लेकिन उसका अर्थ क्या है, यह भी कोई नहीं जानते। वास्तव में यह ज्ञान और विज्ञान है, जिससे तुम अपने को बहुत ऊंच बनाते

हो। वह तो क्या-क्या करते हैं, धूल डालते हैं क्योंकि यह है रौरव नर्क।

उत्तर 10- *B.कभी देह-अभिमान में मत फँसो*

तुम ईश्वरीय संतान को भी माया एकदम घूंसा ऐसा लगा देती है जो जोर से दुबन में गिर पड़ते हैं। फिर उससे निकलना बड़ा मुश्किल होता है, इसमें फिर आशीर्वाद आदि की कोई बात नहीं रहती। फिर इस तरफ मुश्किल चढ़ सकते हैं इसलिए बड़ी खबरदारी चाहिए। *माया के वार से बचने के लिए कभी देह-अभिमान में मत फँसो।* सदा खबरदार, सब भाई-बहन हैं।

उत्तर 11- *B.गोले पर व झाड़ पर*

पहले-पहले तो बेहद के बाप का परिचय देते रहो। त्रिमूर्ति का चित्र तो बड़ा अच्छा है - स्वर्ग और नर्क भी दोनों तरफ हैं। गोले में भी क्लीयर है। *कोई भी धर्म वाले

को इस गोले पर वा झाड़ पर तुम समझा सकते हो* - इस हिसाब से तुम स्वर्ग नई दुनिया में तो आ नहीं सकेंगे।

उत्तर 12- *D.चक्र का ज्ञान*

शास्त्रों में श्रीकृष्ण को भी स्वदर्शन चक्र दे हिंसा ही हिंसा दिखा दी है। वास्तव में है ज्ञान की बात। तुम अभी स्वदर्शन चक्रधारी बने हो उन्हों ने फिर हिंसा की बात दिखा दी है। *तुम बच्चों को अब स्व अर्थात् चक्र का ज्ञान मिला है।* तुमको बाबा कहते हैं - ब्रह्मा मुख वंशावली ब्राह्मण कुल भूषण, स्वदर्शन चक्रधारी।

उत्तर 13- *C.याद की यात्रा*

तुम सजाओं से छूटने का ही पुरूषार्थ करते रहते हो। *उसके लिए मुख्य है याद की यात्रा,* जिससे ही विकर्म विनाश होते हैं। तुम प्यार से याद करो तो बहुत कमाई जमा होती जायेगी। सवेरे-सवेरे उठकर याद में बैठने से

पुरानी दुनिया भूलती जायेगी। ज्ञान की बातें बुद्धि में आती रहेंगी।

उत्तर 14- *D.गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी*

बाप को भूलने से फिर पुरानी दुनिया और पुराने सम्बन्ध भी याद आ जाते हैं। *ऐसे समय गीत सुनने से भी बाप की याद आ जायेगी।* बाप कहने से वर्सा भी याद आ जाता है। पढ़ाई से वर्सा मिलता है। तुम शिवबाबा से पढ़ते हो सारे विश्व का मालिक बनने। तो बाकी और क्या चाहिए।

उत्तर 15- *A.जो बाप की याद में रहे*

*महान सौभाग्यशाली वह जो बाप की याद में रहे। * भगवान, बाबा हमको पढ़ाते हैं! जैसे उस पढ़ाई में रहता है फलाना टीचर हमको बैरिस्टर बनाते हैं, वैसे यहाँ हमको

भगवान पढ़ाते हैं - भगवान भगवती बनाने के लिए तो कितना नशा रहना चाहिए।

उत्तर 16- *A.मोह की रग नहीं जानी चाहिए*

कितना भी कोई प्यारा सम्बन्धी हो उसमें मोह की रग नहीं जानी चाहिए। नष्टोमोहा बनना है। युक्ति से समझाना है। अपने ऊपर और दूसरों पर रहम करना है।